

ब्रह्माकुमारीज़ का मैनेजमेंट सराहनीय है: डॉ. सावंत



ज्ञान सरोवर-मार्ट आबू(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा ज्ञान सरोवर में अखिल भारतीय सम्मेलन में देशभर से करीब 400 राजनेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन का विषय था, 'शांतिपूर्ण समाज के लिए राजनीति में आध्यात्मिकता'। गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से किया गया। सम्बोधन में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने कार्यक्रम में शामिल होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की, उन्होंने कहा कि हम पॉलीटिशियंस हैं और हम कोई भी कार्य तब तक नहीं करते जब तक कि हम उसके फायदे

को नहीं जान लेते। आज के इस सम्मेलन में हम आध्यात्मिकता की शिक्षा प्राप्त करने आये हैं। जब तक राजनीतिज्ञ के जीवन में यह पाँच बातें नहीं होंगी उनको सफलता नहीं मिलेगी। वे पाँच बातें हैं- विश्वास, आत्मविश्वास, क्षमताएँ, चरित्र और प्रतिबद्धता। जीवन में सबकुछ आध्यात्मिकता से ही प्राप्त होगा। मन में सबसे पहले नेशन फर्स्ट की भावना रखनी होगी, समाज में शांति तभी आएगी। राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग की अध्यक्ष राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी ने राजनेताओं को समाज का आधार मूल और उद्धारमूल बताया। ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने

कहा कि पॉलीटिशियंस को अपने जीवन में पाँच चीज़ें अपनाने की जरूरत है- कर्नक्शन, कॉन्फिडेंस, कॉम्पिटेंस, करैक्टर और कॉमिटमेंट। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता को अपनाये बिना राजनेता अथवा कोई भी जीवन में सफलता को प्राप्त नहीं कर सकते। तेलंगाना सरकार में केंद्रीय मंत्री दसारी अनुसूया ने अपनी भावनाएँ सम्मेलन के समक्ष प्रकट की। राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग की उपाध्यक्ष राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी ने सभी को राजयोग मॉडिफेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग की सक्रिय सदस्य ब्र.कु. सपना दिल्ली ने कुशल मंच संचालन किया।

मानसरोवर में राष्ट्रीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स का महाकुम्भ



मानसरोवर-शांतिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मानसरोवर परिसर में मेडिकल विंग द्वारा तीन दिवसीय 11वें राष्ट्रीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स सम्मेलन 'अनलौश हिडन हीलिंग पोटेंशियल' विषय पर आयोजित किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के 1700 नर्सिंग प्रोफेशनल्स, शिक्षक-प्रशासक, अस्पताल प्रबंधक तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भारतीय नर्सिंग परिषद नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. टी.दिलीप कुमार ने कहा कि नर्स केवल उपचार देने वाला स्वास्थ्यकर्मी नहीं बल्कि रोगी के जीवन में आशा, विश्वास और करुणा का संचार करने वाला संवेदनशील व्यक्तित्व है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मी को आत्मबल, तनावमुक्त जीवन और सकारात्मक सोच प्रदान करने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि नर्सिंग केवल एक व्यवसाय नहीं बल्कि ईश्वर की श्रेष्ठ सेवाओं में से एक है। हर नर्स के भीतर करुणा, धैर्य और दिव्य उपचार शक्ति का एक अनमोल खजाना छिपा हुआ है जिसे जागृत करने की आवश्यकता है। महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि आप सभी अपने-अपने कार्यस्थलों पर केवल कुशल नर्स ही नहीं, बल्कि आशा, विश्वास और मानवता के सशक्त संदेशवाहक बनें। अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय ने कहा कि अनलौश हिडन हीलिंग

पोटेंशियल केवल एक विषय नहीं बल्कि प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी के जीवन का एक महत्वपूर्ण संकल्प है। महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से गहन शांति की अनुभूति कराई। पीएम श्री सोनियर सेकेंडरी स्कूल, मुंगथला के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। मेडिकल विंग की सेवाओं की जानकारी अतिरिक्त महासचिव व ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिश्रा ने दी। स्वागत उद्बोधन मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसीलाल शाह ने दिया। सम्मेलन का उद्देश्य ग्लोबल हॉस्पिटल की चीफ ऑफ नर्सिंग सर्विसेज ब्र.कु. रुपा दीदी ने बताया। मेडिकल विंग के अध्यक्ष डॉ. अशोक आर. मेहता, मारवाड़ी विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति डॉ. महेंद्र कुमार असेरी, भारतीय नर्सिंग परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जोगिंदर शर्मा, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त महानिदेशिका (नर्सिंग) डॉ. अचला ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



ब्रह्माकुमारी प्रेमलता बहन को याद कर भावुक हुए संत

हरिद्वार-उत्तरखंड। ब्रह्माकुमारीज़ धार्मिक प्रभाग की अध्यक्ष रही राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी के 9वें पुण्य स्मृति दिवस को हरिद्वार में दिव्य संत सम्मेलन के रूप में मनाया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पहुंचे संत-महात्मा प्रेम बहन जी को याद कर भावुक हो गए।

प्रेम दीदी की याद में राम नाम जाप कराया और ब्रह्माकुमारीज़ की विश्व कल्याण की संस्था बताया। महामंडलेश्वर योगी कर्णपाल गिरि जी महाराज ने कहा कि सभी को अपने बच्चों को ब्रह्माकुमारीज़ की राजयोग कक्षाओं में भेजना चाहिए, ताकि अध्यात्म के साथ जीवन जीने की कला सीखी जा

उन्होंने स्वामी श्यामसुंदर दास द्वारा अपने जीवन काल में संतों को ब्रह्माकुमारीज़ से जोड़ने के अभियान का भावपूर्ण स्मरण किया, साथ ही प्रेम बहन की संत सेवाओं को अनुकरणीय बताया। संत रविदेव शास्त्री ने दिव्य संत सम्मेलन को श्वेत क्रांति की संज्ञा दी। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कमल



राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी के 9वें पुण्य स्मृति दिवस पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी जागृत चेतना गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी संतोषानन्द जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी प्रणव चेतन्य जी महाराज, 1008 महान्त कुष्माण्डी जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलानंद अक्रिय जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी राममुनी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी स्वतंत्रता नन्द सरस्वती जी महाराज, स्वामी योगराज आशुतोष जी महाराज, स्वामी रवि प्रसन्नचरण शास्त्री जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी तमाशणी जी महाराज, महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मंजु दीदी, ब्र.कु. सुशील, महामंडलेश्वर स्वामी आनन्दचैतन सरस्वती जी महाराज, स्वामी श्री दिनेश फलदात्री बाबा जी, आचार्य संत रविदेव शास्त्री जी महाराज।

इस दिव्य संत सम्मेलन में 'वर्तमान समय की चुनौतियों का आध्यात्मिक समाधान' विषय पर साधु-संतों ने खुलकर अपने विचार रखे। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी मैत्रेयी जी महाराज ने कहा कि हम बदलेंगे जग बदलेगा, हम सुधरेगे जग सुधरेगा इसी मूल मंत्र की आज आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज़ का अपने सम्मेलन में साधु संतों को बुलाना एक सुखद संकेत है। स्वामी अकमानन्द जी महाराज ने

संके। शंकर मठ आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी दिनेशानन्द भारती जी, रुड़की ने कहा कि संत ही वास्तव में दिशा है, जिनका दायित्व सत्य की ओर समाज को ले जाना है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ को चरित्र निर्माण की फैकट्री बताया। ब्रह्माकुमारीज़ नारी प्रधान संस्था है, जो भगवान शिव की नारी सम्मान सोच का प्रतीक है। स्वामी हरिहरानन्द जी महाराज ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संतों की मौजूदगी में की गई हरिचर्चा को सुखद बताया।

किशोर जी, सहारनपुर ने कहा कि अध्यात्म का अर्थ ही प्रेम है, ब्रह्माकुमारीज़ दारिद्र्य व बहनों ने सभी को प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें क्रोध आता था, हमने ब्रह्माकुमारीज़ आकर अपने क्रोध का दान कर दिया। शिव योगी तरुण तपस्वी श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी यमुना पुरी जी महाराज ने कहा कि प्रेम बहन का हरिद्वार के सभी महात्माओं से विशेष स्नेह था। उन्होंने महात्माओं को ज्ञान की चेतना का केंद्र बताया।

पर्यावरण संरक्षण-आपदा प्रबंधन अभियान का शुभारंभ समारोह...

प्रकृति को संरक्षित करना माना अपने अस्तित्व को बचाना : राज्यपाल



रायपुर-छ.ग. ब्रह्माकुमारीज़ के वैज्ञानिक, अभियंता एवं आर्किटेक्ट प्रभाग द्वारा आयोजित रायपुर से जबलपुर पर्यावरण संरक्षण-आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ राज्यपाल रमन डेका ने किया। विषय था- 'प्रकृति का खयाल रखें और आपदा के लिए तैयार रहें'।

राज्यपाल रमन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागृति आएगी तथा वह आने वाली आपदा के प्रति सचेत हो सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि

'प्रकृति का खयाल रखें और आपदा के लिए तैयार रहें' केवल एक नारा नहीं है बल्कि यह हमारे अस्तित्व को बचाने का महामंत्र है। वर्तमान समय पेड़ लगाना और जल संरक्षण करना बहुत जरूरी है। अगर जल नहीं है तो कुछ नहीं है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि संकल्प करें कि पानी की एक-एक बूंद बचाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करेंगे। वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाते हुए कम से कम एक पीछा अवश्य लगाएं। आपको एक छोटी-सी पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और खुशहाल भविष्य का निर्माण करेगा। वैज्ञानिक, अभियंता सेवा प्रभाग के अध्यक्ष इंजीनियर ब्र.कु. मोहन सिंघल, मार्ट आबू

ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने भी अपने विचार रखे। रायपुर संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने माननीय राज्यपाल महोदय का अभिनंदन किया। वैज्ञानिक, अभियंता सेवा प्रभाग की उपाध्यक्ष ब्र.कु. आशा दीदी ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण, पानीपत ने किया। इस अवसर पर ब्र.कु. पीयूष, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल, एम्स के डायरेक्टर लॉफ्टिनट जेनरल अशोक जिंदल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।